नई दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित छठे इंडिया इंटरनेशनल MSME (**सूक्ष्म**, **लघु और मध्यम उद्यम**) **स्टार्ट अप एक्सपो एंड समिट** - 23 **अगस्त**, 2019

छठे इंडिया इंटरनेशनल ***MSME*** *स्टार्टअप एक्सपो एंड समिट* ***2019*** के उद्घाटन समारोह में आप सबके बीच उपस्थित होना मेरे लिए अत्यंत प्रसन्नता और सम्मान की बात है। मुझे यहाँ आमंत्रित कर इस महत्वपूर्ण समारोह से जुड़ने और अपने विचार प्रकट करने का अवसर देने के लिए मैं **MSME** डेवलपमेंट फ़ोरम के चेयरमैन, श्री रजनीश गोयनका जी को धन्यवाद देता हूँ।

मित्रो, **MSME** क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास का इंजन है। यह क्षेत्र हमारे देश के सामाजिक-आर्थिक रूपांतरण, विकास और स्थायित्व के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। **MSME** या छोटे उद्योग हमारे देश में करोड़ों देशवासियों की रोजी-रोटी के साधन हैं। कढ़ाई-बुनाई से लेकर दवाई तक, खेत-खलिहान से लेकर खेल के मैदान तक, वस्त्र से लेकर शस्त्र तक, ऊन से लेकर ऊर्जा तक, ऐसे अनेक क्षेत्रों में लघु उद्योग हमेशा से अपना अहम योगदान देते रहे हैं। इस प्रकार, **MSME** देश में कृषि के बाद दूसरा सबसे बड़ा रोजगार देने वाला क्षेत्र है।

यदि आंकड़ों की बात करें तो, यह क्षेत्र प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से लगभग **11** करोड़ लोगों को रोज़गार प्रदान करता है। हमारे देश के **GDP** में इसका योगदान **8%** है। इस प्रकार, यह क्षेत्र हमारे देश में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देकर कई राष्ट्रीय उद्देश्यों को पूरा करता है, जैसे कि-

- भारत की बढ़ती जनसंख्या के लिए रोज़गार सृजन करना
- ग़रीबी को कम करना
- क्षेत्रीय असमानताओं को कम कर के गांवों से शहरों की ओर पलायन को कम करना
- निर्यात को बढ़ावा देकर विदेशी मुद्रा का अर्जन करना
- नवाचार को बढ़ावा देना
- स्थानीय व पारंपरिक हस्तशिल्पों और प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देना।

मित्रो, भारत विश्व की सर्वाधिक युवा जनसंख्या वाला देश है और इन युवाओं के भीतर मौजूद अपार ऊर्जा, रचनात्मकता और श्रम शक्ति का राष्ट्र-निर्माण हेतु अधिकाधिक उपयोग किए जाने की आज नितांत आवश्यकता है।

इस संदर्भ में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम क्षेत्र न केवल युवाओं बल्कि महिलाओं, गरीबों और जनजातियों को भी रोज़गार तथा स्वरोजगार के अपार अवसर प्रदान करता है।

यह क्षेत्र इन संवेदनशील वर्गों के लिए कम लागत व पूंजी में व्यवसाय शुरू करने और स्थानीय कलाओं और हस्तशिल्पों आदि के माध्यम से आजीविका प्राप्त करने में सहायक है। इस क्रम में इन संवेदनशील वर्गों का आर्थिक रूप से सशक्तीकरण होता है और राष्ट्रीय विकास में उनकी भागीदारी भी सुनिश्चित होती है।

साथियो, **MSME** क्षेत्र के महत्व को देखते हुए सरकार ने इस क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए कई उल्लेखनीय योजनाएं और कार्यक्रम शुरू किए हैं। इनमें स्टार्ट अप इंडिया, स्टैंड अप इंडिया, स्किल इंडिया,

डिजिटल इंडिया, स्मार्ट सिटी और सर्वाधिक महत्वपूर्ण मेक इन इंडिया जैसे कार्यक्रम और योजनाएं शामिल हैं। ये योजनाएं **MSME** क्षेत्र के लिए ऋण सुविधाएँ प्रदान करती हैं, कौशल विकास, गुणवत्ता में सुधार, एवं कर लाभ के अवसर उपलब्ध कराती हैं और विपणन सहायता भी सुनिश्चित करती हैं।

मित्रो, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम हमारे देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। यह क्षेत्र समावेशी विकास को प्रोत्साहित करता है। इस संदर्भ में संयुक्त राष्ट्र संघ का भी मानना है कि विकासशील देशों में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम रोज़गार और आय सृजन के महत्वपूर्ण अवसर उपलब्ध कराते हैं तथा ग़रीबी उन्मूलन और सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अत:, **Sustainable Development Goals** की प्राप्ति में भी यह क्षेत्र अत्यंत सहायक है।

साथियो, इसी व्यापक परिप्रेक्ष्य में अभी हाल ही में, माननीय प्रधानमंत्री जी ने **MSME** क्षेत्र के लिए 12 क्रांतिकारी फैसले लिए। इनमें सबसे पहला प्रमुख निर्णय है कि सिर्फ 59 मिनट में लघु उद्यमियों को लोन देने की सुविधा प्रदान करना।

दूसरा प्रमुख निर्णय यह है कि जो उद्यमी **GST** से जुडें हैं, उन्हें ब्याज दर में छूट प्रदान करना और निर्यात के लिए सस्ता ऋण देना। इसके अलावा सरकारी खरीद में **MSME** क्षेत्र के लिए 25 प्रतिशत की अनिवार्यता और महिला उद्यमियों से कम-से-कम तीन प्रतिशत खरीद की अनिवार्यता भी निर्धारित की गई है।

इसके साथ ही, टेक्नोलॉजी को उन्नत बनाने के लिए देशभर में 20 **HUB** और **100 SPOKES** की स्थापना की जाएगी। लेबर कानूनों में सकारात्मक बदलाव किए गए हैं तथा पर्यावरण मंजूरी से जुडी प्रक्रियाओं को भी सरल बनाया गया है।

इस प्रकार, ये सारे बडे फैसले **MSME** क्षेत्र को मजबूत बनाने वाले हैं और एक नए युग की शुरूआत करने वाले हैं। हमें पूरा विश्वास है कि इन फैसलों से भारत चौथी औद्योगिक क्रांति का नेतृत्व करने की दिशा में तेजी से आगे बढेगा।

मित्रो, इस परिदृश्य में अब यह आवश्यक है कि आप सरकार की योजनाओं और कार्यक्रमों का लाभ उठाएँ। इस हेतु सबसे पहली ज़रूरत है कि इन योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में आम जनता और व्यवसायिक समुदायों के बीच जानकारी और जागरूकता बढ़ायी जाए। इस क्रम में **MSME** डेवलपमेंट फ़ोरम सराहनीय कार्य कर रहा है।

यह फ़ोरम देश और विदेशों में प्रदर्शनियों, शिखर सम्मेलनों, सम्मेलनों, रोड शो, कार्यशालाओं, आदि के माध्यम से सरकार की योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता बढ़ा रहा है । साथ ही, सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यमों को अपने उत्पादों और सेवाओं, आदि को प्रदर्शित करने, और प्रचार-प्रसार का अवसर भी दे रहा है।

मेरा मानना है कि **MSME** डेवलपमेंट फ़ोरम सरकार के विकास एजेंडा में सक्रियतापूर्वक भागीदारी करके "नए भारत" और "उद्यमशील भारत" के निर्माण में सराहनीय योगदान कर रहा है। साथ ही, यह फ़ोरम निजी क्षेत्र और सिविल सोसाइटी के लिए अनुकरणीय आदर्श भी प्रस्तुत कर रहा है।

साथियो, **MSME** क्षेत्र सरकार की उस भावना का प्रतीक है जिसके मूल में लोगों को **'Job Seeker'** की जगह **'Job Creator'** बनाना है। आप सिर्फ उद्यमी ही नहीं हैं बल्कि **New India** के महत्वपूर्ण निर्माताओं में से एक हैं।

अत:, आइए, हम सब मिलकर प्रण करें कि-

"दृढ़ संकल्प से नये भारत का निर्माण करेंगे
सतत् श्रम से नयी राहों का संधान करेंगे
हर संकट, हर बाधा को हम पार करेंगे
श्रेष्ठ भारत के स्वप्न को साकार करेंगे। "

इन्ही शब्दों के साथ, मैं एक बार पुनः **MSME** डेवलपमेंट फ़ोरम को बधाई और शुभकामनाएं देता हूँ। और, मुझे आमंत्रित करने के लिए श्री रजनीश गोयनका जी को धन्यवाद देता हूँ।

****